an>

Title: Need to take necessary steps to stop corruption in the Electricity department in view of the death and accident occuring due to their negligence.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल **(मेरठ):** अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए धन्यवाद देता हूं।

महोदया, बिजली विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही तथा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण क्षेत्र में आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पिछले तीन-चार महीनों में घटित हुई कुछ प्रमुख घटनाओं को मैं यहां सदन के सम्मुख प्रस्तुत करना चाहता हूं। 23 सितम्बर, 2014 को मेरठ के पंचगांव में सुरेश तोमर, बनवारी, रमेश और मनोज नामक किसानों की लगभग छः बीघे खेत की खड़ी फसल तार गिरने की वजह से जल गयी। दिनांक 28 नवम्बर, 2014 को ग्राम जई में जमशेद के घर में तार टूटकर गिर जाने से नौ पशु जल कर मर गए। 2 दिसम्बर, 2014 को ग्राम लडपुरा में तार टूटकर गिर जाने से 18 साल के सोनू की मृत्यू हो गयी। 3 दिसम्बर, 2014 को ग्राम स्याल में कालू नामक किसान की आठ बीघे खेत की खड़ी गन्ने की फसल जलकर नष्ट हो गयी। 28 फरवरी, 2015 को ग्राम माछरा में बिजली का तार गिरने से खेत में काम कर रहे किसान मुनिराज शर्मा की मृत्यू हो गयी।

अभी दिनांक 5 मार्च, 2015 को हापुड़ के ग्राम सिमरौली में तार टूटने से लोकेन्द्र कुमार शर्मा की मौके पर मृत्यु हो गई एवम् उसकी पत्नी और बेटा झुलस गए। अध्यक्ष महोदया, ये घटनाएं बिजली विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और काम न करने का नमूना हैं। जर्जर तारों को बदलने का बार-बार अनुरोध किया जाता है, परंतु अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। होता यह है कि तारों को बिना बदले ही बदला हुआ दिखा दिया जाता है। इन सारी दुर्घटनाओं के बीच अधिकारियों की संवेदनहीनता और भी अधिक निंदनीय है। ग्राम सिमरौली में 5 मार्च को हुई दुर्घटना के सिलसिले में मैं दिनांक 7 मार्च को पीड़ित के घर गया। जब मैंने क्षेत्र के अधिशासी अभियंता से पूछा कि क्या उन्हें इस घटना की जानकारी है और वह इस सम्बन्ध में क्या कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि अभी तक इस परिवार के लोग उनसे मिले नहीं हैं। मैंने जब पुनः पूछा कि क्या वह स्वयं या विभाग का कोई अधिकारी पीड़ित के परिवार से मिलने गया है, तो उन्होंने बताया कि अभी तक नहीं गया है।

अध्यक्ष महोदया, दुर्घटनाओं से पीड़ित परिवार इसी प्रकार की संवेदनहीनता का शिकार होते हैं। अशिक्षा एवम् अल्पशिक्षा के कारण ये गरीब ग्रामीण अपना पक्ष भी ठीक से नहीं रख पाते। इस तरह किसी भी प्रकार के दंड के भय से मुक्त ये संवेदनहीन अधिकारी इन्हें प्रताड़ित करते रहते हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इन घटनाओं की व्यापक जांच कराई जाए, पीड़ितों को शीघ्र उचित मुआवजा दिलाने की व्यवस्था की जाए और ऐसी दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ये सब लोग पीड़ित हैं, इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष**:** ठीक है। श्री पी. करुणाकरन। मेरा सबसे अनुरोध है कि वे थोड़े शब्दों में अपनी बात कहेंगे तो मैं ज्यादा सदस्यों को एकोमोडेट कर सकूंगी।